अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2016-2017

हिन्दी भाषा

कक्षा : V

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

---

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें। **[15]**

(i) भारत में छह ऋतुएँ होती हैं। आपको कौन सी ऋतु सबसे अधिक पसंद है ? उसका कारण एवं महत्व बताते हुए निबंध लिखें।

(ii) दुर्गापूजा का त्यौहार आने वाला है। दुर्गापूजा क्यों मनायी जाती है ? कारण बताते हुए यह भी बताएँ कि आप यह त्यौहार किस प्रकार मनाएँगे।

(iii) ''वृक्ष हमारे मित्र हैं'' इस विषय पर निबंध लिखें।

(iv) आप अपने माता-पिता के साथ बाजार गए। आपने बाजार से क्या-क्या खरीदा ? वहाँ आपने क्या-क्या देखा? बाजार का वर्णन करते हुए निबंध लिखें।

2. अपने मित्र को अपने जन्मदिन समारोह में आने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखें। **[10]**

अथवा

अपनी प्रथम आवधिक परीक्षा (quarterly examination) का परिणाम बताते हुए पिता को पत्र लिखें।

प्र.3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। **[20]**

एक बार की बात है, एक राजा था। उसका एक बड़ा सा राज्य था। एकदिन उसे अपना देश घूमकर प्रजा का हाल जानने का विचार आया। उसने भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौटकर आया तो उसने अपने मंत्रियों से पैर दर्द की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़-पत्थर थे वे उसके पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए।

कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने मंत्रियों को आज्ञा दी कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढँक दी जाएँ राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। किसी की हिम्मत नहीं थी कि वे आदेश न मानें। यह तो निश्चित था कि उसके लिए बहुत सारे रूपयों की जरूरत थी। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ।

अगर आप अनावश्यक रूप से धन बर्बाद न करना चाहें तो मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ जिससे रुपयों की बर्बादी भी नहीं होगी और आपका काम भी हो जाएगा। राजा आश्चर्यचकित हो गया क्योंकि किसी ने भी पहले ऐसा नहीं कहा था। राजा ने कहा अच्छा कहो क्या कहना चाहते हो। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढँकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को क्यों नहीं ढँक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दिया।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें हमेशा किसी भी समस्या का समाधान इस प्रकार निकालना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में कोई भी काम नहीं करना चाहिए।

(i) राजा के मन में क्या विचार आया ? [3]

(ii) उसने भ्रमण से लौटकर मंत्रियों से क्या शिकायत की? उसने इसका क्या कारण बताया ? [4]

(iii) राजा ने मंत्रियों को क्या आदेश दिया ? इस आदेश से किसकी बर्बादी होती और क्यों ? [5]

(iv) मंत्री कैसा था? और उसने राजा को क्या सुझाव दिया ? [3]

(v) जूता अस्तित्व में कैसे आया ? [3]

(vi) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखें।** **[4]**

सुयश, सुमति, अंधकार, जड़, गहरा, बाह्य, निंदा, सच

5. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखें।** **[4]**

सिंह, माँ, कृपा, दुग्ध

6. **निम्नलिखित श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखें।** **[4]**

पवन-पावन, बाग-बाघ, समान-सामान, पूछ-पूँछ

7. **निम्नलिखित अनेक शब्दों के बदले एक एक शब्द लिखें।** **[4]**

(i) जो अधिक बोलता हो (ii) कम खर्च करने वाला

(iii) जो कभी न मरे (iv) रात्रि में विचरण करने वाला

8. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर किन्हीं दो से वाक्य बनाएँ।** **[4+2=6]**

आँख लगना, दम तोड़ना, हाथ-बँटाना, कान खड़े करना

9. **निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन करें।** **[10]**

(i) रानी पढ़ रही थी। (काल के भेद बताएँ)

(ii) अशोक खिलौने बना रहा है। (काल के भेद बताएँ)

(iii) छुट्टियों में हम घूमने जाते हैं। (काल के भेद बताएँ)

(iv) माँ खाना बना रही है। (वर्त्तमान काल के भेद बताएँ)

(v) नेहा पत्र लिखती है। (क्रिया के भेद बताएँ)

(vi) घोड़ा तेज दौड़ता है। (क्रिया के भेद बताएँ)

(vii) सीमा ने गुलाबी साड़ी पहनी है। (विशेषण के भेद बताएँ)

(viii) बाहर कोई खड़ा है। (सर्वनाम चुनकर भेद बताएँ)

(ix) मुझे आपका विश्वास है। (वाक्य शुद्ध करें)

(x) आज मेरा चाचे आएँगे। (वाक्य शुद्ध करें)

10. **निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखें।** **[3]**

श्रीमति, परिक्षा, रितु, प्रशन, बिमारी, प्रान